ध्वनि

ध्वनि कविता सूर्यकांत त्रिपाठी द्वारा रचित है इस कविता में वसंत ऋतु का ज़िक्र किया गया है। यूँ तो छः ऋतुएँ होती हैं लेकिन वसंत ऋतु सबसे मनभावन होती है इस ऋतु का वर्णन कवि ने अपने अंदाज़ में किया है उनका कहना है कि वसंत अभी अभी आया है वह सभी पत्तियाँ, फूल में नवजीवन लायेगा, नींद से अलसाये हुए पुष्पों में नवजीवन लाकर अमृत सींच देगा और उनका कहना है कि वसंत के तरह ही हम सबका जीवन का अंत नहीं होगा। प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन में स्फूर्ति के साथ आगे बढ़ना चाहिए

कवि परिचय

सूर्यकांत त्रिपाठी ~~द्वारा रचित है~~

सूर्यकान्त त्रिपाठी का जन्म बंगाल में 21 फरवरी 1899 में हुआ। वसंत पंचमी में जन्मदिन मनाया जाता है। उनका उपनाम निराला था। उनकी कविताएं ध्वनि, भारत वन्दना, तोड़ती पत्थर इत्यादि थी। उनकी मृत्यु 15 अक्टूबर 1961 में हुई थी।

दिनांक - ४.४.२२

दिन - सोमवार

वर्गकार्य

कठिन शब्द :

मृदुल	ध्वनि
स्वप्न	डालियाँ
निद्रित	कलियाँ
प्रत्यूष	लालसा
तंद्रालस	अमृत

शब्दार्थ -

कोमल — नींद से अलसाया हुआ
पत्ता — कुछ पाने की चाह अभिलाषा
शरीर — इच्छा
सोया हुआ
प्रातः काल

Scanned with CamScanner

शब्द

शब्दार्थ :

मृदुल — कोमल

पात — पत्ता

गात — शरीर

निद्रित — सोया हुआ

प्रत्यूष — प्रातः काल

तंद्रालस — नींद से अलसाया हुआ

लालसा — कुछ पाने की चाह, अभिलाषा, इच्छा ।

Scanned with CamScanner

5|4|22

मंगलवार

वर्गकार्य
कविता

अभी न होगा मेरा अंत
अभी-अभी ही तो आया है।
मेरे वन में मृदुल वसंत -
अभी न होगा मेरा अंत।

हरे-हरे ये पात,
डालियाँ, कलियाँ, कोमल गात।
मैं ही अपना स्वप्न-मृदुल-कर
फेरूँगा निद्रित कलियों पर
जगा एक प्रत्यूष मनोहर।

पुष्प-पुष्प से तंद्रालस लालसा खींच
लूँगा मैं, अपने नव जीवन
का अमृत सहर्ष सींच दूँगा
मैं,
द्वार दिखा दूँगा फिर उनको।
हैं मेरे वे जहाँ अनंत
अभी न होगा मेरा अंत

-सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

प्रश्न उत्तर

1. कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा?

उत्तर-) कवि को ऐसा विश्वास है कि वसंत ऋतु का अंत नहीं होगा क्योंकि वसंत अपने साथ नया पन लाया है चारों ओर हरी-हरी पत्तियाँ सुन्दर-सुन्दर फूल है ऐसा लगता है कि हमारे जीवन को वसंत अमृत से सींच दिया

2. फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि कौन-कौन सा प्रयास करता है?

उत्तर-) फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि नींद से अलसाये हुए फूल-फूल से आलस्य को खींच लेगा और नये जीवन का अमृत भर देगा।

3. कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए क्या करना चाहता है?

उत्तर-) कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए अभी पुष्पों में नवजीवन का अमृत भर देना चाहता है।

Scanned with CamScanner

दिनांक - ६.४.२२

दिन - बुधवार

~~वसंत~~ ~~ऋतु~~ में आनेवाले किसी एक त्योहार पर निबंध लिखिए!

वसंत पंचमी (सरस्वती पूजा)

वसंत पंचमी एक भारतीय त्योहार है इस दिन विद्या की देवी सरस्वती माँ की पूजा की जाती है। वसंत पंसमी को श्री पंचमी, सरस्वती पूजा आदि नामों से जाना जाता है यह त्योहार विद्यालय, महाविद्यालय में मनाया जाता है। सरस्वती माँ की प्रतिमा के सामने सभी बच्चे उनकी आराधना करते है। दूसरे दिन उनकी प्रतिमा को किसी जलाशय में विसर्जित करते है। यह पर्व वसंत के आगमन ~~बताते है~~ का प्रतीक है चारों और पीले पीले फूल नजर आते है। इसलिए वसंत पंचमी के दिन हम भी ~~हम भी~~ पीले-पीले वस्त्र धारण करते है।

Scanned with CamScanner

वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है ? आपस में चर्चा कीजिए ।

उत्तर:- वसंत ऋतु के आते ही चारों तरफ हरियाली आ जाती है और धरती पृथ्वी फूलों से सज जाती है । और कोयल की कूक सुनाई देती है । और आम के पेड़ पर मंजर आ जाता ऐसा लगता है सब मिलकर वसंत का स्वागत कर रहे हैं इसलिए वसंत को ऋतु राज कहा गया जाता है ।

Write on White
Date
Page 8

परियोजना कार्य

कविता की निम्नलिखित पंक्तियाँ पढ़कर बताइए कि इनमें किस ऋतु का वर्णन है।

फूल हैं आमों में बौर
भौंर वन-वन टूटे हैं।
होली मची ठौर ठौर
सभी बंधन छूटे हैं।

उपर्युक्त पंक्तियों में वसंत का वर्णन किया गया है क्योंकि इसी ऋतु में आमों के पेड़ में मंजर आते और भौंर घूमते हैं। इस ऋतु के आगमन के साथ त्योहारों के दिन आ जाते हैं। होली जैसे त्योहार इस ऋतु में होते हैं होली ही एक ऐसा त्योहार है जिसमें मनुष्य सभी कुछ भूलकर एक दूसरे से गले मिलते हैं।

7.4.22

होली पर पाँच पंक्तियाँ लिखो।

होली रंगों का त्योहार है।

यह त्योहार हर साल फाल्गुन महीने की पूर्णिमा को मनाया जाता है।

होली भारत देश का लोकप्रिय त्योहार है। होली के दिन बच्चे गुब्बारों और पिचकारी से अपने मित्रों के साथ होली का आनंद उठाते हैं। इस दिन तरह-तरह के मीठे पकवान बनते हैं। लोग आपसी दुश्मनी भूलकर एक दूसरे को गले लगाते हैं।

Scanned with CamScanner

08/4/22

Write on White
Date
Page 10

वाक्य बनाओ :-

1. ध्वनि - ध्वनि की तरंगे अच्छी होती है।
2. वसंत - वसंत ऋतुओं का राजा है।
3. राजा = राजा राज्यों में राज करते है।
4. भँवरा - भँवरा फूलों का रस चूसते है।
5. ऋतुएँ - भारत में छः ऋतुएँ होती है।

8.4.22

Scanned with CamScanner

दिनांक - 2.8.22
दिन - शुक्रवार

कक्षा कार्य

वर्तनी

चुड़ियाँ	बेलनकुमा
गोलियाँ	मुँगेरियाँ
रंग - बिरंगी	मचिया
बदल	मनिहार
मकान	वास्तव
पुराना	वस्तु - विनिमय
पिघलाया	स्वभाव
लकड़ी	पगड़ी
चौखट	

Scanned with CamScanner

औरतें	अंजुली
कलाइयाँ	कलाइयों
नाज़ुक	दृष्टि
अतिरिक्त	जमींदार
नमस्ते	पश्चात
जनार्दन	प्रसन्नता
स्मृति	व्यक्तित्व
अतीत	आसानी
चारपाई	
खतरनाक	
अवस्था	
सिंदूरी	

Scanned with CamScanner

शब्दार्थ

चाव - चाह, रुचि, तीव्र इच्छा

सलाख - सलाई, धातु की छड़

मुँगरी - गोल, मुठियादार लकड़ी जो ठोकने - पीटने के काम आती है

पैतृक - पूर्वजों का, पिता से प्राप्त या पुश्तैनी

खपत - माल की बिक्री

वस्तु - पैसों से न खरीदकर एक विनिमय

विनिमय - वस्तु के बदले दूसरी वस्तु लेना

कसर - घाटा पूरा करना, कमी

नज़ुक - कोमल

पगड़ी - सिर पर लपेट कर बाँधा जाने वा लंबा कपड़ा, पाग

Scanned with CamScanner

मरहम - पट्टी - जख्म का इलाज, घाव पर दवा लगाकर पट्टी बाँधना

मचिया - बैठने के उपयोग में आने वाली सुतली आदि से बुनी छोटी, चौकोर खाट

मुखातिब - देखकर बात करना

डालिया - बाँस का बना एक छोटा पात्र

फबना - सजना, शोभा देना

08/4/22

Write on White
Date
Page 15

दिन
शनिवार

Ch-2

लाख की चूड़ियाँ

लाख की चूड़ियाँ के लेखक - कमलानाथ

सारे गाँव में बदलू मुझे सबसे अच्छा आदमी लगता था क्योंकि वह मुझे सुंदर-सुंदर लाख की गोलियाँ बनाकर देता था। लेखक को अपने मामा के घर जाने में इसलिए मजा आता था कि उसके मामा उसे रंग-बिरंगी गोलियाँ देता था। वैसे लेखक को अपने मामा को बदलू मामा कहना चाहिए था लेकिन वह बदलू मामा न कहकर बदलू काका कहता था। ~~लेकिन~~ कुछ दिनों से बदलू काका उदास रहने लगे थे क्योंकि इस मशीनी युग में कोई उनसे लाख की चूड़ियाँ नहीं ~~बनाता था~~ खरीदता था। उनका व्यवसाय लगभग चौपट सा हो गया था।

13/4/22

Write on White
Date
Page 18

कहानी से

प्रश्न और उत्तर

(क) बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव चाव से क्यों जाता था और बदलू को 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' क्यों कहता था ?

उत्तर-) लेखक को अपने गाँव जाना इसलिए अच्छा लगता था कि उसका मामा उसे लौटते समय उसे सुंदर-सुंदर लाख की गोलियाँ देता था। वह बदलू मामा को मामा ना कहकर 'बदलू चाचा' कहता था क्योंकि गाँव के बच्चे उन्हें बदलू चाचा कहते थे।

(ख) वस्तु विनिमय क्या है ? विनिमय कि प्रचलित पद्धति क्या है ?

उत्तर-) वस्तु विनिमय वह है जो एक वस्तु के बदले दूसरी वस्तु दे। उस समय विनिमय कि प्रचलित पद्धति (मुद्रा (रुपया) नहीं थी समान के बदले समान दिया जाता था।

(ग) 'मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए हैं।' इस पंक्ति में लेखक ने किस व्यथा की ओर संकेत किया है?

'मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए हैं।' इस पंक्ति में लेखक ने बेरोजगारी की ओर संकेत किया है। आज के युग में लोग इंसानों के द्वारा किया गया काम मशीनों से करवाते हैं। पहले के समय किसी काम को करने में बहुत लोगों का श्रम लगता था। लेकिन आज सौ व्यक्ति का काम एक मशीन ही कर देता है। तो मनुष्य की ऐसी दुर्दशा से लेखक अत्यन्त दुःखी है।

वर्गकार्य

दिनांक - 25|4|22

दिन - सोमवार

वाक्य बनाओ -

सुन्दर - सुन्दर कौन है?

रंग बिरंगी - रंग बिरंगी चुड़ियाँ है।

गाँव - गाँव मे हरियाली होती है।

पैतृक

मेरा पैतृक गाँव आरा है

पैतीक - पैतीक जाना मुझे अच्छा लगता है।

चुड़ियाँ - चुड़ियाँ काँच की होती है।

काँच - काँच बहुत कमजोर होते है।

चारपाई - मुझे चारपाई में अच्छी नींद नहीं आती।

Activity

अपने छुट्टियों में, आप जहाँ जाते हो उनके बारे में लिखें।।।

मैं अपने छुट्टियों में अपने नानी घर जाता हूँ। वहाँ मुझे बहुत अच्छा लगता है। वहाँ का वातावरण ~~बातावरन~~ बहुत अच्छा है। वहाँ का माहौल बहुत शान्त है। वहाँ बहुत हरियालि होती है। वहाँ पे मेरे बहुत से अच्छे दोस्त भी हैं। मैं उनके साथ पूरा दिन खेलता रहता और घूमता रहता था। मुझे वहाँ पे बहुत मजा आता था।

Scanned with CamScanner

इसलिए मुझे अपने छुट्टियों में अपने नानी घर जाना अच्छा लगता है।

Scanned with CamScanner